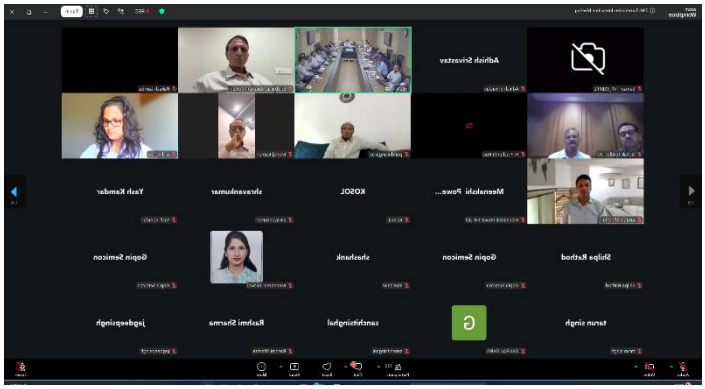
<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

24वीं हितधारकों की बैठक: सीएमडी, इरेडा ने परिसंपत्ति गुणवत्ता और सुशासन को विकास का मूल बताया



नई दिल्ली, 18 सितंबर 2026

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज वर्चुअल माध्यम से अपनी 24वीं हितधारक सहभागिता बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा निदेशक (वित्त) डॉ॰ बिजय कुमार महान्ती ने की। बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न ऋणग्राहकों एवं अन्य हितधारकों ने सक्रिय प्रतिभागिता की तथा क्षेत्र के विकास एवं वित्तपोषण से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा निदेशक (वित्त) डॉ॰ बिजय कुमार महान्ती ने कहा कि परिसंपत्तियों की गुणवत्ता बनाए रखना एवं सुदृढ़ कॉर्पोरेट सुशासन को अपनाना इरेडा की सतत एवं दीर्घकालिक विकास यात्रा के प्रमुख आधार है। उन्होंने इरेडा के व्यावसायिक साझेदारों से परियोजनाओं के उत्तरदायी क्रियान्वयन, वित्तीय अनुशासन तथा उच्च गुणवत्ता वाले सुशासन मानकों के अनुपालन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।



डॉ॰ महान्ती ने आगामी **भारत आर.ई. समिट एवं एक्सपो 2026** का भी उल्लेख किया, जो 2 **से 5 नवंबर, 2026** तक **भारत मंडपम, नई दिल्ली** में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इसे नवीकरणीय ऊर्जा परितंत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने वाला एक महत्वपूर्ण आयोजन बताया।

उन्होंने कहा कि यह समिट ऋणग्राहकों एवं अन्य हितधारकों को परस्पर संवाद, सहयोग तथा विचारों के आदान-प्रदान का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा। इसके माध्यम से न केवल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहभागिता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि भारत के हरित ऊर्जा संक्रमण तथा **"विकसित भारत @2047"** के दृष्टिकोण को साकार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

बैठक में आईरेडा के वित्तीय प्रदर्शन, हालिया संसाधन जुटाने की पहलों तथा पिछली हितधारक सहभागिता बैठक के अनुपालन में की गई कार्रवाई रिपोर्ट पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि पूर्ववर्ती बैठकों में ऋणग्राहकों द्वारा प्राप्त सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं के आधार पर इरेडा की वित्तपोषण नीतियों एवं मानदंडों में कई महत्वपूर्ण संशोधन लागू किए जा चुके हैं। जिससे संस्थान की सेवाएँ अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं हितधारक-केंद्रित बन सकी हैं।

बैठक में भाग लेने वाले ऋणग्राहकों ने इरेडा के सक्रिय एवं हितधारक-केंद्रित दृष्टिकोण की सराहना की तथा इसकी प्रक्रियाओं एवं पहलों को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु अपने सुझाव भी साझा किए। इस संवाद ने हितधारकों के साथ खुले, पारदर्शी एवं उत्तरदायी संबंध बनाए रखने के प्रति इरेडा की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया। साथ ही, इसने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास, हरित ऊर्जा संक्रमण को गति प्रदान करने तथा देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की प्राप्ति में एक प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में आईरेडा की निरंतर भूमिका को भी सुदृढ़ किया।

डॉ. महान्ती ने इस अवसर पर इरेडा टीम द्वारा किए गए समर्पित एवं सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) के सचिव** तथा **निदेशक मंडल** के प्रति उनके निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।